संस्कृत-व्याकरण
एवं
लघुसिद्धान्त-कौमुदी

(संशोधित एवं परिवर्धित)

लेखक

पद्मश्री डॉ० कपिलदेव द्विवेदी आचार्य

एम०ए० (संस्कृत, हिन्दी), एम०ओ०एल०, डी०फिल्० (प्रयाग),
विद्याभास्कर, साहित्यरत्न, व्याकरणाचार्य, पी०ई०एस० (अ०प्रा०)

निदेशक

विश्वभारती अनुसंधान परिषद्

ज्ञानपुर (भदोही)

प्रणेता—'अर्थविज्ञान और व्याकरणदर्शन',
अथर्ववेद का सांस्कृतिक अध्ययन', 'प्रौढ-रचनानुवादकौमुदी', 'संस्कृत-व्याकरण',
'संस्कृत निबन्ध-शतकम्' (चारों उ०प्र० शासन द्वारा सम्मानित),
'भाषा-विज्ञान एवं भाषा-शास्त्र', 'राष्ट्र-गीताञ्जलिः' आदि।

विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

विषय-सूची

विषय	पृष्ठ
भूमिका	(९-३६)
संस्कृत व्याकरणशास्त्र का इतिहास	
१. भाषा का महत्त्व	९
२. व्याकरण का अर्थ और महत्त्व	९
३. व्याकरण का उद्भव, विकास	१०
४. (क) पूर्वपाणिनि वैयाकरण	**१३**
५. आठ प्रकार के व्याकरण	१४
६. नौ प्रकार के व्याकरण	१४
७. ऐन्द्र व्याकरण	१५
८. पूर्वपाणिनि १५ आचार्य	१६
९. पाणिनि-प्रोक्त १० आचार्य	१८
१०. (ख) आचार्य पाणिनि	**२०**
११. (ग) उत्तर-पाणिनि वैयाकरण	**२९**
१२. कात्यायन	२९
१३. पतंजलि	३०
१४. जयादित्य और वामन	३२
१५. भर्तृहरि	३२
१६. कैयट	३३
१७. भट्टोजि दीक्षित	३४
१८. नागेश	३५
१९. वरदराज	३५
२०. अन्य वैयाकरण	३६
(१) लघु-सिद्धान्तकौमुदी	**१-३६०**
१. संज्ञाप्रकरण	१
२. (सन्धिप्रकरण) अच्सन्धि	**८**
३. हल्-सन्धि	१९
४. विसर्ग-सन्धि	२६
५. (षड्लिंग प्र०) अजन्तपुंलिंग	**२९**
६. अजन्तस्त्रीलिंग	५२
७. अजन्तनपुंसकलिंग	५८
८. हलन्तपुंलिंग	६२

विषय	पृष्ठ
९. हलन्तस्त्रीलिंग	८८
१०. हलन्तनपुंसकलिंग	९१
११. अव्यय-प्रकरण	९४
१२. (तिङन्त प्र०) (१) भ्वादिगण	९७
१३. (२) अदादिगण	१६१
१४. (३) जुहोत्यादिगण	१७६
१५. (४) दिवादिगण	१८४
१६. (५) स्वादिगण	१९०
१७. (६) तुदादिगण	१९३
१८. (७) रुधादिगण	२०३
१९. (८) तनादिगण	२०८
२०. (९) क्र्यादिगण	२१३
२१. (१०) चुरादिगण	२१८
२२. (प्रक्रियाएँ) (१) ण्यन्तप्रक्रिया	२२१
२३. (२) सन्नन्तप्रक्रिया	२२३
२४. (३) यङन्तप्रक्रिया	२२५
२५. (४) यङ्लुक्प्रक्रिया	२२७
२६. (५) नामधातुप्रकरण	२२८
२७. (६) कण्ड्वादिगण	२३१
२८. (७) आत्मनेपदप्रक्रिया	२३१
२९. (८) परस्मैपदप्रक्रिया	२३४
३०. (९) भावकर्मप्रक्रिया	२३५
३१. (१०) कर्मकर्तृप्रक्रिया	२३९
३२. (११) लकारार्थप्रक्रिया	२४०
३३. (कृदन्त प्र०) (१) कृत्यप्रक्रिया	२४१
३४. (२) पूर्वकृदन्त	२४७
३५. (३) उणादिप्रकरण	२५९
३६. (४) उत्तरकृदन्त	२६०
३७. समास-प्रकरण	**२६८**
३८. (१) केवल समास	२६८
३९. (२) अव्ययीभाव समास	२७०

विषय	पृष्ठ
४०. (३) तत्पुरुष समास	२७४
४१. (४) बहुव्रीहि समास	२८५
४२. (५) द्वन्द्व समास	२८९
४३. (६) समासान्त प्रकरण	२९२
४४. तद्धित-प्रकरण	**२९३**
४५. (१) साधारण प्रत्यय	२९४
४६. (२) अपत्याधिकार	२९५
४७. (३) रक्ताद्यर्थक	३०१
४८. (४) चातुरर्थिक	३०५
४९. (५) शैषिक	३०७
५०. (६) विकारार्थक	३१६
५१. (७) ठगधिकार	३१८
५२. (८) यदधिकार	३२०
५३. (९) छयदधिकार	३२२
५४. (१०) ठञधिकार	३२३
५५. (११) त्वतलधिकार	३२४
५६. (१२) भवनाद्यर्थक प्रत्यय	३२७
५७. (१३) मत्वर्थीय प्रत्यय	३३१
५८. (१४) प्राग्दिशीय प्रत्यय	३३४
५९. (१५) प्रागिवीय प्रत्यय	३३८
६०. (१६) स्वार्थिक प्रत्यय	३४२
६१. स्त्री-प्रत्यय	३४५
६२. विभक्त्यर्थ-प्रकरण	३५३
(२) सिद्धान्तकौमुदी कारक-प्रकरण	**३६१-३९४**
६३. (१) प्रथमा-विभक्ति	३६१
६४. (२) द्वितीया ,,	३६२
६५. (३) तृतीया ,,	३७१
६६. (४) चतुर्थी ,,	३७४
६७. (५) पंचमी ,,	३७८
६८. (६) षष्ठी ,,	३८३
६९. (७) सप्तमी ,,	३९०
(३) संक्षिप्त वैदिक-व्याकरण	**३९५-४१८**
७०. (१) सन्धि-विचार	३९५
७१. (२) शब्दरूप-विचार	३९७
७२. (३) अव्यय-विचार	४००
७३. (४) धातुरूप-विचार	४०१
७४. (५) समास-विचार	४०५
७५. (६) तद्धित-विचार	४०५
७६. (७) कृत्प्रत्यय-विचार	४०६
७७. (८) इन्जंक्टिव	४०८
७८. (९) सब्जंक्टिव (लेट्)	४०९
७९. (१०) संहितापाठ से पदपाठ	४१०
८०. (११) पदपाठ में अवग्रहचिह्न	४११
८१. (१२) पदपाठ में इति	४१२
८२. (१३) पदपाठ से संहितापाठ	४१२
८३. (१४) संहितापाठ और पदपाठ में स्वरचिह्न लगाना	४१२
८४. (१५) स्वर-सम्बन्धी कुछ मुख्य बातें	४१५
८५. (१६) वैदिक छन्द-परिचय	४१६
(४) संक्षिप्त प्राकृत-व्याकरण	**४१९-४३०**
८६. (१) प्राकृत-परिचय	४१९
८७. (२) प्राकृत की विशेषताएँ	४२०
८८. (३) ध्वनि-विचार	४२१
८९. (४) संयुक्ताक्षर-विचार	४२३
९०. (५) स्वर-विचार	४२५
९१. (६) सन्धि-विचार	४२६
९२. (७) शब्दरूप-विचार	४२६
९३. (८) धातुरूप-विचार	४२९
९४. (९) मागधी की विशेषताएँ	४३०
(५) पारिभाषिक-शब्दकोश परिशिष्ट	**४३१-४४१**
(१) सूत्रों की अकारादिक्रम-सूची	४४२
(२) वार्तिकों ,, ,,	४५१
(३) पारिभाषिक शब्द	४५२
(४) विषयानुक्रमणिका	४५३